(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है; और

(ग) भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों इसके लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

**प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह)** : (क) जी हां । दुर्घटना की परिस्थितियों की, सैनिक स्कूल के रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में एक कोर्ट आफ इन्क्वायरी ने पूरी जांच की थी। दुर्घटना के दिन पोलीस द्वारा अन्वीक्षण भी किया गया था, और मृत्यु आकस्मिक डूब जाने के कारण निर्णीत की गई थी।

(ख) मोहिन्दर कुमार पांचवी-बी कक्षा के 29 छात्रों में से एक था, जो 11 बज कर बीस मिनट पर तैराकी के अभ्यास के लिए गये थे। तैराकी एक क्षमताशील प्रशिक्षक द्वारा पर्यवेक्षित की गई थी, और तालाब के कम गहरे पानी में की जा रही थी। तैराकी के लिये स्कूल के स्थायी आदेशों द्वारा निर्धारित, सुरक्षा की सभी आवश्यक सावधानिएं बर्ती गई थीं। तैराकी के लिये लड़कों को तीन दलों में बांटा गया था। मोहिन्दर कुमार की अनुपस्थिति, जो कि तीसरे दल में था, 11 बज कर 48 मिनट पर दृष्टिगोचर हुई थी। तलाश के पश्चात् उसका शव तालाब से लगभग 12 बजकर 10 मिनट पर निकाला गया था। कोर्ट आफ इन्क्वायरी की धारणा थी कि लड़का अधृष्टतापूर्वक तालाब में उतरा होगा, और आकस्मिक तौर पर डूब गया होगा, तथा दुर्घटना के लिये कोई उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता था।

(ग) लड़कों को उत्तम नियन्त्रण में रखने के उद्देश्य से, अब तैराकी के तालाब पर तीन प्रशिक्षक प्रतिनियुक्त किये जाते हैं, जब लड़के अभी नौसिखिये हों।

**Radio station for Haryana**

377. **Shri Ram Kishan Gupta:** Will the Minister of **Information and Broadcasting** be pleased to state:

(a) whether Government have received any request from the Haryana Government for installation of a radio station in Haryana at an early date; and

(b) if so, the action taken thereon?

**The Minister of Information and Broadcasting (Shri K. K. Shah):** (a) Yes, Sir.

(b) Provision has been made in the Fourth Plan for the installation of a medium power medium-wave transmitter in Haryana State and the State Government has been asked to communicate their views regarding the location of the Broadcasting Station.

**"नेफा की एक शाम"**

378. **डा० राम मनोहर लोहिया :**
**श्री रामसेवक यादव :**
**श्री मधु लिमये :**
**श्री गुणानंद ठाकुर :**

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार के संगीत तथा नाटक प्रभाग ने होली के अवसर पर "नेफा की एक शाम" नामक नाटक का अभिनय करने के लिये 12 मार्च से 26 मार्च तक परेड ग्राउन्ड किराये पर लिया था तथा लोगों को इस समारोह के टिकट दबाव डाल कर बेचे गये थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि संगीत तथा नाटक प्रभाग द्वारा आयोजित यह समारोह वस्तुतः 17 मार्च को समाप्त हो गया था और उसके बाद एक जादूगर ने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिये वहां पर जादू के खेल दिखाये परन्तु किराया सरकारी कोष से दिया गया ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण थे ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) गीत तथा नाटक विभाग ने किसी समारोह का आयोजन नहीं किया था। उसने तो केवल लोक कला मंच, जो एक स्वैच्छिक संस्था है, द्वारा आयोजित होली मेले में 5 कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे जिनमें 3 नेफा की एक शाम के और 2 मिश्रित कार्यक्रम थे। विभाग ने परेड ग्राउन्ड का कोई किराया नहीं दिया और न ही कोई टिकट बेचे।

(ख) होली मेले में आयोजित अन्य कार्यक्रमों का गीत तथा नाटक विभाग से कोई सम्बन्ध नहीं था। क्योंकि मंच का खर्चा लोक कला मंच ने दिया था, अतः उन्हें उसका इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी गई।

(ग) सवाल नहीं उठता।

**Conference of Non-Aligned Nations**

**379. Shri C. C. Desai:**
**Shri R. Barua:**

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to call a conference of all non-aligned nations in the near future; and

(b) if so, what is the present progress in the matter?

**The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla):** (a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

**Tibetan Refugees**

**380. Shri Ramachandra Ulaka:**
**Shri Dhuleshwar Meena:**
**Shri Khagapathi Pradhani:**

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether the Tibetan refugees are still pouring into India;

(b) if so, the number of such refugees who have arrived so far; and

(c) the names of places where they are proposed to be rehabilitated?

**The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla):** (a) They are still coming in small batches now and then.

(b) The total is about 50,000.

(c) 12,000 Tibetan Refugees have already been settled on agriculture in Mysore, Orissa, Madhya Pradesh, NEFA, Bhutan and Sikkim. Work has started on settlement of about 5,000 persons in Belgaum Division of Mysore and one thousand more Tibetans in Bhutan. A woollen mill and Tea Estate have been set up in Kangra District to settle 675 Refugees. Other Industrial Schemes to provide employment to about 3,000 persons are under active consideration. About one thousand Tibetans are employed in various handicraft centres. Steps are being taken to put these centres on sound footing and to expand them to provide employment to about 2,000 persons. It is proposed to settle 2,000 Tibetans on a Tea Estate being set up in Sikkim. (*The figures indicated above include families and children*).

We have approached the States for allotment of more lands for the rehabilitation of the remaining Tibetans.

**Ordnance Factories**

**381. Shri S. Kundu:**
**Shri S. K. Sambandhan:**

Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) in which States big, medium and small ordnance factories are located;

(b) the total capital outlay involved in these factories;

(c) the total employment capacity of these factories; and